Daily Current Affairs

पर्यटन कर

चर्चा में क्यों

- हाल ही में इटली के वेनिस शहर में पर्यटन के लिए आने वाले आगंतुकों के लिए पर्यटन कर को लगाया गया है।
- पर्यटन कर कोई नई अवधारणा नहीं है , हम सभी ने इसे कभी न कभी किसी पर्यटन स्थान पर घूमने के लिए इसे भुगतान किया ही होगा।
- अत: सवाल उठता है कि फिर वेनिस शहर द्वारा लगाए गए पर्यटन कर में ऐसा क्या है जो इसको इतना चर्चित मुद्दा बनाता है।
- तो आइए इसे एक उदाहरण से समझते है। मान लीजिये कि आप पर्यटन की दृष्टि से भारत के ही किसी शहर जैसे आगरा या अन्य किसी शहर में जाना चाहते है , लेकिन जब आपसे कहा जाए कि आपसे उस शहर में प्रवेश के लिए ही कर का भुगतान करना पड़ेगा तो निश्चित ही यह पहली बार सुनने में थोड़ा अलग सा लग सकता है।
- वेनिस शहर ने वर्तमान में कुछ ऐसे ही पर्यटन कर की शुरुआत की है। इसलिए यह विषय अधिक चर्चा में बना हुआ है।

पर्यटन कर के शुरुआत की आवश्यकता क्यों ?

ResultMitra

- वेनिस शहर के पर्यटन प्रबंधक प्रशासन का मानना है कि इस कर को लाने के पीछे प्रमुख उद्देश्य शहर में ओवर टूरिज्म को कम करना है।
- इसके साथ ही उनके अनुसार ऐसा कदम जहाँ एक और स्थानीय लोगों के जीवन और उसकी गुणवत्ता बनाएं रखने में सहायक होगा। वही दूसरी और यह सरकार के राजस्व में वृद्धि के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा देगा।
- ऐसा इसलिए क्योंकि अभी जो आगंतुकों को पर्यटन कर देना होगा वह सुबह 8.30 से शुरू होकर शाम 4 बजे तक के लिए ही लगाया जायगा। इसके बाद आगंतुकों को इससे छूट दी जाएगी।
- इसका उद्देश्य यह है कि पर्यटक जब इस कर समय के अलावा अन्य समय में पर्यटन के लिए शहर में आयगें तो उम्मीद है कि वे रात्रि निवास , भोजन आदि के लिए स्थानीय बाज़ारों में मांग प्रेरित करेंगे जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।
- तीसरा महत्वपूर्ण कारण ओवर टूरिस्म के कारण वेनिस शहर के ऐतिहासिक स्थलों पर भीड़भाड़ का नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा था। उदाहरण के लिए लगभग 50,000 जनसँख्या वाले इस शहर में सालाना लगभग 30 मिलियन पर्यटक आते थे जो संसाधनों में दबाब के साथ स्थानीय लोगों के गुणवत्ता पूर्ण जीवन को भी प्रभावित करता था।
- इसके अतिरिक्त यूनेस्को ने भी वर्ष 2023 में वेनिस को विश्व धरोहर की ख़तरनाक सूची में शामिल करने की चेतावनी दी थी। हालाँकि बाद में डे-ट्रिपर टैक्स की योजना की घोषणा के बाद यूनेस्को द्वारा ऐसा करने का प्रस्ताव हटा दिया गया था।

पर्यटन कर से सम्बंधित प्रावधान

- समय :- सुबह 8.30 से शाम 4 बजे तक
- भुगतान :- प्रति यात्री 5 यूरो
- छूट :- रात्रि आगंतुकों , स्थानीय निवासियों , छात्रों और 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को
- अवधि :- 25 अप्रैल से 14 जुलाई तक लागू (इन दिनों सबसे अधिक टूरिस्ट यहां आते है)
- जुर्माना :- उल्लंघन करने वालों से 50 यूरो से 300 यूरो तक का जुर्माना वसूला जायगा।
- विशेष :- वेनिस पर्यटकों से प्रवेश शुल्क लेने वाला दुनिया का पहला शहर बन गया है।
- राजस्व :- उपलब्ध आकड़ों के अनुसार पर्यटन कर की शुरूआत के ही दिन लगभग 5,500 आगंतुकों ने शहर में प्रवेश के लिए टिकट खरीदा जिससे कुल 27500 यूरो प्राप्त हुए।

Result Mitra

अन्य देशों या क्षेत्रों में ऐसे प्रयास या मांग

- हाल ही में हज़ारों स्पेनिश नागरिकों ने कैनरी द्वीप समूह पर ओवर टूरिज्म की समस्या से निजात के लिए ऐसे ही कर की मांग रखते हुए विरोध प्रदर्शन किया।
- यूके में भी केंट काउंटी की एक परिषद ने काउंटी में रात भर ठहरने पर पर्यटन कर लगाने की सिफारिश की है ।
- स्कॉटलैंड के एडिनवर्ग में जहाँ प्रवेश पर शुल्क लिया जाता है , इसे वर्ष 2026 तक लागू रखने की बात कही गई है।
- ऐसे ही वेल्श सरकार इस साल के अंत में इसी तरह का कानून पेश करने की योजना बना रही है ।
- इसके अतिरिक्त आइसलैंड ऐसा देश है जहाँ पूरे देश में ऐसा कर लिया जाता है।

पर्यटन कर का विश्लेषण

- पर्यटन कर के आर्थिक प्रभावों से लेकर इसके सामाजिक , पर्यावरणीय और सांस्कृतिक निहितार्थ हो सकते है। हालाँकि वर्तमान बाज़ार आधारित अर्थव्यवस्था में आर्थिक प्रभावों को ही अधिक महत्त्व दिया जाता है। इस दृष्टि से जब हम पर्यटन कर का विश्लेषण करते है तो इसके प्रमुख निष्कर्ष निकलते है जैसे –
- ऐसे शुल्क , आगंतुकों की संख्या को सीमित कर सकते है। उदाहरण के लिए बेलिएरिक द्वीप समूह (स्पेन) और मालदीव में ऐसे शुल्कों ने अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन की संख्या में कमी का कारण रहें है , साथ ही ऐसे शुल्क घरेलू पर्यटन को भी उस क्षेत्र विशेष या शहर में न आने का कारण बन सकता है।
- हालाँकि कुछ उदाहरण ऐसे भी है जहाँ इन शुल्कों को लगाने के बाद भी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि देखी गई है। उदाहरण के लिए दुनिया के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक, बार्सिलोना में, आगंतुकों की संख्या जहाँ 2013 में 7.1 मिलियन थी , प्रवेश शुल्क लगाने के बाद भी 2019 में बढ़कर 9.5 मिलियन हो गई ।
- इन दोनों उदाहरणों से जो निष्कर्ष निकलता है कि यदि गन्तव्य स्थल काफी लोकप्रिय है और पर्यटन दृष्टि से बेहतर है तो ऐसे शुल्कों का विशेष प्रभाव नहीं पड़ता यदि उन्हें जरूरत से ज्यादा अधिक नहीं लगाया गया है।
- इसके पीछे एक तर्क यह भी है कि अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन अक्सर अधिक आय वाले लोग ही करते है। इसलिए थोड़ा बहुत प्रवेश शुल्क उनकी योजना में कोई विशेष परिवर्तन का कारण नहीं बनती है।

ResultMitra

- हालाँकि आगंतुक शुल्क और पर्यटक प्रवाह के बीच संबंध इतना जटिल है कि एक देश के भीतर भी इसके लिए कोई एकीकृत दृष्टिकोण नहीं है।
- एक अन्य अध्ययन जिसमें इटली के तीन आस पास के समृद्ध तटीय स्थानों पर प्रवेश के लिए शुल्क लगाया गया। जिसमें देखा गया कि दो स्थान ऐसे थे जिनके आगंतुकों की संख्या में कोई विशेष प्रभाव नहीं देखा गया लेकिन तीसरे स्थान के आगंतुकों की संख्या में कमी देखी गई।
- अत: इस उदाहरण से निष्कर्ष निकाला गया कि स्थान विशेष की सुविधाएं , महत्त्व और लोगों की पसंद पर्यटक स्थल के चुनाव में भी एक कारक हो सकता है। क्योंकि यहां यदि शुल्क कोई कारण रहतातो संभवतः तीनों स्थानों पर आगंतुकों की संख्या में कमी देखी जानी चाहिए थी।
- पर्यटक कर के आगंतुकों की संख्या पर प्रभाव के बाद एक अन्य महत्वपूर्ण सवाल पर्यटक कर से जुटाएं गए राजस्व के खर्च पर भी उठता है।
- अधिकांश यूरोपीय देश जहाँ ऐसे कर लगाएं जाते है देखा गया है कि वे इससे जुटाए गए राजस्व का खर्च विपणन और ब्रांडिंग के लिए करते है जिससे अधिक पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सके।
- दूसरा इस आय का उपयोग सार्वजनिक शौचालयों और पैदल चलने या साइकिल चलाने के रास्तों से लेकर, कन्वेंशन सेंटर तक पर्यटन के बुनियादी ढांचे को वित्त पोषित करने के लिए किया जाता है।
- कुछ अन्य उपायों में देखा गया कि इस राजस्व का द्वीपों के पर्यावरण, संस्कृति और समाज पर पर्यटन के नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए किया गया । इनमें अपशिष्ट प्रबंधन, प्राकृतिक आवासों और ऐतिहासिक स्मारकों का संरक्षण और सामाजिक आवास शामिल था ।
- इन राजस्व खर्च प्रबंधन का परिणाम यह रहा कि जब पर्यटकों को यह बताया जाता है कि उनसे लिए गए शुल्क का उपयोग किस लिए किया जाता है - और जब यह सीधे उनके अनुभव को बेहतर बनाने या स्थायी पर्यटन को बढ़ाने से संबंधित होता है - तो पर्यटक ऐसे शुल्क स्वीकार करने और भुगतान करने को तैयार होते हैं ।

क्या भारत भी ऐसे करों को लगा सकता है

- भारत अपने सांस्कृतिक , धार्मिक और अन्य आकर्षण स्थलों की वजह से विश्व के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। वर्तमान में लगभग कुल जीडीपी का 6% हिस्सा अकेले पर्यटन से प्राप्त होता है।
- हालाँकि भारत में अभी किसी शहर विशेष में ऐसे पर्यटन कर का न तो कोई प्रस्ताव आया है न ही इसकी कोई आवश्यकता महसूस की जा रही है।
- दूसरा भारत अभी एक विकासशील देश है जहां आधारभूत अवसंरचना , सामाजिक कल्याण आदि के लिए अधिक से अधिक निवेश की आवश्यकता होती है। ऐसे में भारत अपने पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने

Result Mitra

पर अधिक जोर दे रहा है। अत: ऐसे में किसी शुल्क विशेष को आरोपित करना अभी तार्किक प्रतीत नहीं दिखता है।

- दूसरा भारत में अभी अधिकांश पर्यटन अपने घरेलू पर्यटक या फिर अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन का अधिकांश आगमन अपने पड़ोसी देशों से होता है जो कि एक मध्यम आय वाले देश है। अत: ऐसे में कोई अतिरिक्त शुल्क इनके आगमन को प्रभावित कर सकता है।

अन्य तथ्य

यूनेस्को विश्व विरासत स्थल :- वेनिस

- 118 छोटे द्वीपों में फैला वेनिस अपनी सुंदरता और छोटी लैगून झीलों के कारण वर्ष 1987 में इसे यूनेस्को विश्व विरासत स्थल में सम्मिलित किया गया ।
- यह शहर उत्तर पूर्वी इटली में स्थित है।

यूनेस्को

- पूरा नाम संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन
- संयुक्त राष्ट्र संगठन की एक विशेष एजेंसी
- मुख्यालय :- पेरिस, फ्रांस में
- स्थापना :- 16 नवंबर 1945
- प्रमुख :- एक महानिदेशक (वर्तमान में सुश्री ऑड्रे अज़ोले)
- वर्तमान सदस्य :- 195 सदस्य देश एवं 8 सहयोगी सदस्य देश

मैपिंग तथ्य

इटली

- एक प्रायद्वीप देश
- दक्षिणी यूरोप से एड्रियाटिक सागर, टायरानियन सागर, भूमध्य सागर के बीच फैला हुआ
- सीमावर्ती देश :- ऑस्ट्रिया, फ्रांस, वेटिकन सिटी, सैन मैरिनो, स्लोवेनिया और स्विट्जरलैंड
- राजधानी :- रोम
- मुद्रा :- यूरो

Result Mitra